आप का नया जीवन!

इस पाठ के सम्बन्ध में :

यीशु मसीह में विश्वास केवल शब्दों द्वारा ही नहीं है; यह पूरी तरह से नया और भिन्न प्रकार का जीवन है। परमेश्वर की आश्चर्यजनक सामर्थ्य और आशीषों जो कि मसीह के शुभ-समाचार के साथ आती है आपकी हो जाती हैं; केवल तभी नहीं जब आप पहले-पहल विश्वास करते हैं, परन्तु जब आप वह **जीवन जीने** लगते हैं जो परमेश्वर ने आपको दिया है।

आज आप सीखेंगे :

- **मसीह में आपका नया जीवन।**
- **अपने जीवन में इसे एक सच्चाई में बदलने के लिए आपको जो-जो कदम उठाने हैं**

आप ऐसा कीजिए

✔ पाठ को पढ़ें और मुख्य भागों को रेखांकित करें।

✔ अपनी बाइबल में पवित्रशास्त्र के पदों को खोजें।

✔ उन पर चिन्ह लगा लें।

जितना अधिक आप अध्ययन करेंगें, उतना ही अधिक आप समझेंगे।

परमेश्वर आपको आशीष दें!

आप के नए जीवन के पाँच स्तम्भ

2 कुरि 5:17

कुलु 1:13

''यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है; पुरानी बातें बीत गईं देखो नई बातें आ गई हैं!'' हाल्लेलुय्याह! सचमुच में यह सही है। जब आप ने मसीह को ग्रहण कर लिया, तो परमेश्वर ने आपको अन्धकार के राज्य से निकाल कर यीशु के राज्य में पहुँचा दिया। यद्यपि आप इसे महसूस नहीं करते, पर अब आप एक नए राज्य में हैं। कल्पना कीजिए कि एक व्यक्ति एक देश से दूसरे में जाने के लिए अपनी नागरिकता बदल लेता है; वह तब तक कोई अन्तर महसूस नहीं करेगा, जब तक कि वह अपनी नई नागरिकता का लाभ नहीं उठाने लगता। केवल तभी उसके पहचान का बदलाव प्रगट होगा। आपके लिए भी यही सच है! इस पाठ में आप यह सीखना आरम्भ करेंगे कि इस नए राज्य में किस प्रकार का जीवन जिया जाए। आइए पाँच महत्त्वपूर्ण सच्चाईयों को देखें: बपतिस्मा, संगति, बाइबल अध्ययन, प्रार्थना और आराधना, तथा अपने विश्वास को दूसरों के साथ बांटना।

1 बपतिस्मा

प्रेरि 2:14-41

जब पतरस ने पिन्तेकुस्त के दिन अपना पहला संदेश दिया, तो लोग बुरी तरह से अपने दोष के प्रति कायल हो गए और वे बदलना चाहते थे। इस संदेश ने लोगों को पश्चाताप

बपतिस्मा (जारी हैं)

करने और विश्वास लाने के लिए बुलाया था, और लोगों ने पूछा: ''हम क्या करें?'' पतरस
प्रेरि 2:37,38 ने उनसे कहा, ''मन फिराओ और यीशु मसीह के नाम से तुम में से प्रत्येक बपतिस्मा ले
कि तुम्हारे पापों की क्षमा हो, और तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओगे।'' यह साफ-
प्रेरि 2:38,41 साफ उन कदमों को दर्शाता है जो उन्होंने परमेश्वर के राज्य के नागरिक बनने के लिए उठाए।
प्रेरि 8:38 पहला, उन्होनें पश्चाताप करने का कदम उठाया - वे अपने पापों से फिर के परमेश्वर की
ओर मुड़ गए। दूसरा, उन्होंने बपतिस्मा लिया - पानी में डूब कर।

बपतिस्मा क्या है?

बपतिस्मा देने की आज्ञा सीधे स्वयं प्रभु यीशु से मिली है: ''जाओ और सब जातियों के
मत्ती 28:19 लोगों को चेले बनाओ तथा उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।''
बपतिस्मा के द्वारा आप मसीह की मृत्यु और उसके पुनः जी उठने की समानता को दर्शाते
हैं - आप पुराने जीवन के लिए मर गए और यीशु में बहुतायत के नए जीवन में पुनः जी
उठे ! पौलुस यह सिखाते हैं: ''हम ... सब जो बपतिस्मा के द्वारा मसीह यीशु के साथ
रोम 6:3,4 एक हुए, बपतिस्मा द्वारा उसकी मृत्यु में भी सहभागी हुए। इसलिए हम बपतिस्मा द्वारा उसकी
मृत्यु में सहभागी होकर उसके साथ गाड़े गए हैं, जिससे कि पिता की महिमा के द्वारा जैसे
मसीह जिलाया गया था, वैसे हम भी जीवन की नई चाल चलें।''

बपतिस्मा तीन बातों को दर्शाता है जो यीशु के साथ घटीं

2 कुरि 5:21

यीशु ने हमारे सारे पाप उठा लिए

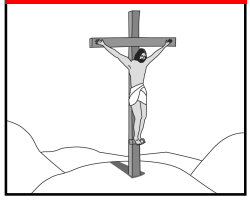

1 यीशु ने हमारे सारे पाप और दण्ड अपने ऊपर उठा लिए। उसे हमारे लिए मृत्यु दण्ड दिया गया। ''जो पाप से अनजान था, उसी को उसने हमारे लिए पाप ठहराया कि हम उसमें परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएँ।''

रोम 6:7

वह मरा और गाड़ा गया

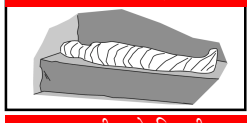

2 जब यीशु मरा और गाड़ा गया, तो उसने पाप की जकड़ और शक्ति को तोड़ दिया, ''क्योंकि जो मर गया, वह पाप से छूट कर निर्दोष ठहरा।'' यीशु अब पुनः जी उठने के लिए तैयार था!

रोम 8:11
इब्रा 7:25

वह एक नए जीवन के लिए जी उठा

3 तीसरे दिन, यीशु पुनः जी उठा ! वह आत्मा के द्वारा जिलाया गया अब वह अपने पिता के दाहिने हाथ स्वर्ग में विराजमान है। जो लोग उसके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं वह उन के लिए निवेदन करने को जीवित हैं।

आपका नया जीवन

आपका बपतिस्मा इन तीन अवस्थाओं को प्रकट करता है

इफि 4:22,32

1 थिस्स 1:9

लूका 9:23-25

रोम 6:6

1पत 2:24
रोम 6:7

2 कुरि 5:17
कुलु 2:12
यूह 11:25,26
इफि 1:19,20

पाप के अधीन आप का पुराना जीवन

1 ***क्रूस***

अन्धकार के राज्य में आपके पुराने जीवन की मृत्यु को दर्शाता है। इसका अर्थ है :

- आप स्वार्थ-सिद्धि की अपनी पुरानी जीवन-शैली को छोड़ देते हैं।
- आप अपने पुराने "देवताओं" को छोड़ देते हैं - अर्थात् वे चीजें जिनका आपके जीवन पर अधिकार था।
- आप अपने जीवन भर मसीह के पीछे चलने का निर्णय ले लेते हैं। आप अपने पीछे अपने पुराने जीवन का फाटक बन्द कर देते हैं और एक नए जीवन में कदम रखते हैं।

बपतिस्मा में आप का पुराना जीवन मर जाता है।

2 ***कब्र***

आप पानी के भीतर जाते हैं, और आपका पुराना जीवन दफन हो जाता है। यह एक मुर्दे के समान है जिसका शरीर कब्र के भीतर हो ! पाप की शक्ति नष्ट कर दी गई है, पाप की गुलामी तोड़ दी गई है, "जिससे हम पाप के लिए मरें और धार्मिकता के लिए जीवन व्यतीत करें।" जो कोई मर गया वह पाप से स्वतन्त्र हो गया। यह मृत्यु आपकी स्वतन्त्रता है !

आनन्द और विजय में नया जीवन

3 ***पुनः जी उठना***

एक नए जीवन के लिए आप पानी के ऊपर आ जाते हैं। बपतिस्मा उस आश्चर्यकर्म को दर्शाता है जो आपके उद्धार पाने पर हुआ था। आप एक नई सृष्टि हैं।

आप मसीह के साथ उठाए गए और उसी के साथ जिलाए गए क्योंकि आपने विश्वास किया था। आप मृत्यु से होकर जीवन में प्रवेश कर चुके हैं। उसकी ईश्वरीय पुनरूत्थान की सामर्थ्य आप के पास है !

यीशु चाहता है कि आप बपतिस्मा लें

मर 16:16

प्रेरि 2:41
रोम 10:9,10

इफि 2:8,9

यीशु कहता है: "जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले वह उद्धार पाएगा, परन्तु जो विश्वास न करे वह दोषी ठहराया जाएगा" इसका अर्थ है कि यीशु की आज्ञा का पालन करने के लिए हर एक विश्वासी को बपतिस्मा लेना अनिवार्य है। मात्र बपतिस्मा ही आपका उद्धार नहीं करता; आप उद्धार तभी पाते हैं जब आप विश्वास करते और यीशु को प्रभु करके मान लेते हैं। बपतिस्मा मसीह में आपके नए जीवन का बाहरी प्रगटन है। अतः यदि आप ने अभी तक पानी में बपतिस्मा नहीं लिया है, पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में, तो यह एक अनिवार्य कदम है जो आपको उठाना है। ऐसा करें और आपको अद्भूत तरीके से आशीषें मिलेंगी!

2 कलीसिया : अन्य विश्वासियों के साथ संगति

प्रेरि 2:41,42

प्रथम विश्वासियों की जीवन-शैली पूरी तरह बदल गई थी: ''जिन लोगों ने उसका वचन ग्रहण किया उन्होंने बपतिस्मा लिया - और वे प्रेरितों से लगातार शिक्षा पाने, संगति रखने, रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लवलीन रहे।'' एक विश्वासी कभी भी अकेला नहीं है, वह हर समय परमेश्वर के साथ गहरी संगति में रह सकता है। परन्तु इससे भी कुछ अधिक है : सभी विश्वासी एक साथ जुड़े हुए हैं, वे एक शरीर के अंगों के समान आपस में जुड़े हुए हैं।

मत्ती 28:20

1 कुरि 12:12,13

हमारे बीच में कोई दीवार नहीं है, - क्योंकि हमारा एक नया केन्द्र है, यीशु। हम एक दूसरे से

1 यूह 4:19

प्रेम करते हैं, क्योंकि यीशु ने पहले हम से प्रेम किया।

प्रथम विश्वासियों के लिए, यह प्रेम वास्तविक और व्यवहारिक था। वे अकसर घरों में प्रतिदिन मिलते थे। वे आपस में अपनी सम्पत्ति बाँट लेते थे इसलिए उनके बीच कोई गरीब व्यक्ति नहीं था। उनके बीच में बड़ा आनन्द था, जब वे प्रार्थना करने, परमेश्वर की स्तुति करने, और रोटी तोड़ने के लिए एक साथ जमा होते थे। और उनके आस-पास रहने वाले लोग उन्हें पसन्द करते थे।

प्रेरि 2:44-47
प्रेरि 4:32-35

1 कुरि 11:23-26

देखिए क्या हुआ जब वे यीशु को केन्द्र में रखते हुए, आपस में संगति का जीवन जीने लगे: प्रतिदिन लोग उद्धार पाते थे।

आपको भी इसी की आवश्यकता है: दूसरों के साथ जो विश्वास करते हैं गहरी संगति रखना। परमेश्वर से प्रार्थना मे माँगें कि वह आपको उन लोगो के साथ रख दे जो आनन्द से उसकी स्तुति करते हैं, और जहाँ उद्धार करने, चंगा करने और छुटकारा देने के लिए परमेश्वर की सामर्थ्य उपस्थित है। यदि आप कर सकते हैं, तो अपना घर सभी विश्वासियों के लिए खोल दें। परमेश्वर का प्रेम प्रगट करना आरम्भ कर दीजिए, तो दूसरे लोग उसकी ओर आकर्षित होने लगेंगे।

3 बाइबल : आप के प्रतिदिन का भोजन

प्रेरि 2:42

प्रथम विश्वासियों ने अपने आप को प्रेरितों की शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया था, जो कि बाइबल में पाई जातीं हैं वे सुनने और सीखने के लिए एक साथ जमा होते थे, और जो कुछ वे सीखते थे उसे दूसरों के साथ बाँटते भी थे।

परमेश्वर का वचन भोजन के समान है। एक शिशु को जल्दी जल्दी भोजन की आवश्यकता होती है। उसी तरह आप को भी!

1 पत 2:2

''नवजात शिशुओं के समान शुद्ध आत्मिक दूध के लिए लालायित रहो, जिससे कि तुम उद्धार में बढ़ते जाओ।'' एक विश्वासी सामर्थ्य और विश्वास मे बढ़ता जाता है, जैसे-जैसे वह परमेश्वर का वचन ग्रहण करता और उसके अनुरूप जीता है।

कोई भी चीज आपको प्रतिदिन बाइबल के साथ समय बिताने से रोक न सके। परमेश्वर का वचन पढें और अध्ययन करें। उन पदों और भागों को जो आप से विशेष रूप से बातें करते हैं, रेखांकित कर लें और याद कर लें। यदि आप परमेश्वर के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे, तो आप उसकी समानता में बढ़ते जाएँगे। जो कुछ आप सीखते हैं उसे दूसरों के साथ बाँटें और तब आप उनके लिए एक आशीष बन जाएँगे।

4 प्रार्थना और आराधना

प्रेरि 2:42
प्रेरि 2:47

प्रथम विश्वासियों ने अपने आप को प्रार्थना के लिए भी समर्पित कर दिया था। और वे साथ-साथ परमेश्वर की स्तुति करते थे। यह विश्वासियों की नयी जीवन-शैली का भाग था।

प्रार्थना प्रभु के साथ संगति रखने का एक मार्ग है। जो बातें अपके हृदय में हैं उसके विषय आप प्रार्थना कर सकते हैं, परमेश्वर से उसी प्रकार बोलें जैसे आप किसी अन्य व्यक्ति से बोलते हैं। आप अन्य-अन्य भाषाओं में भी प्रार्थना कर सकते हैं, यह आपकी आत्मा की परमेश्वर के साथ उन शब्दों में बातचीत है जो आप नहीं समझते। इसके विषय में अधिक जानकारी आगे के पाठों में मिलेगी।

1 कुरि 14:2,15

प्रथम विश्वासियों ने साथ-साथ प्रार्थना की, और अपनाने के लिए हमारे सामने एक उदाहरण छोड़ गए। स्वयं यीशु ने मिलकर प्रार्थना करने के सम्बन्ध में एक विशेष प्रतिज्ञा की है: ''यदि तुम में से दो जन पृथ्वी पर किसी बिनती के लिए एकमत हों, तो वह मेरे स्वर्गीय पिता की ओर से उनके लिए पूरी हो जाएगी। क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम में एकत्रित होते हैं, वहाँ मैं उनके बीच में हूँ।'' दूसरों के साथ एकमत होकर प्रार्थना करना सचमुच में शक्तिशाली है।

मत्ती 18:19,20

प्रार्थना परिस्थितियों को बदल देती है

जब प्रभु में विश्वास करनेवाले सचमुच में एकमत होकर प्रार्थना करते हैं, तो उनकी प्रार्थना परिस्थितियों को बदल देती है। आपके लिए भी ऐसा ही हो जाएग!

प्रेरि 12:5

जब पतरस जेल में बन्द था, तो कलीसिया पूरी लगन से परमेश्वर से उसके लिए प्रार्थना कर रही थी। वह एक असम्भव परिस्थिति में था, सिपाहियों के बीच में सोया था, जो जंजीरों से जकड़ा हुआ था, और बाहर द्वार पर सिपाही पहरा दे रहे थे। फिर भी प्रार्थना के उत्तर में परमेश्वर ने पतरस को अद्‌भुत रीति से छुटकारा दिलाया। आप भी, असम्भव परिस्थितियों को बदलने के लिए परमेश्वर की सामर्थ को प्रगट हुआ देख सकते हैं, जब आप प्रार्थना करते हैं।

प्रेरि 2:24-31

एक अन्य घटना में जब अधिकारियों ने प्रथम विश्वासियों को धमकाया और प्रचार करने से रोकने का प्रयत्न किया, तब ''उन्होंने...ऊंचे शब्द से परमेश्वर को पुकारा। ...जब वे प्रार्थना कर चुके तो वह स्थान जहाँ वे एकत्रित थे हिल गया, और वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन निर्भीकता से सुनाने लगे।'' परमेश्वर ने उन्हें बह दिया जिसकी उनको आवश्यकता थी - निर्भीकता, साहस!

हमारा परमेश्वर महान और अद्‌भुत है, और हमारी स्तुति और आराधना के योग्य है! दूसरों के साथ मिलकर एकसाथ उसकी आराधना और स्तुति करने का समय निकालिए। अपने परमेश्वर के लिए आनन्द से भजन गाइए, और ऊंचे शब्द से स्तुति कीजिए कि वह भला, और अद्‌भुत और धर्मी है! जब कभी भी आप परमेश्वर की स्तुति करते हैं, तो अनदेखे संसार में कुछ न कुछ होता है। परमेश्वर की उपस्थिति आ जाती है। जहाँ कहीं परमेश्वर की स्तुति और आराधना होती है, वहाँ प्रभु को उसका उचित स्थान मिलता है, और वह राज्य करने और अपनी सामर्थ्य प्रगट करने के लिए आ जाता है ''तू तो पवित्र है, तू परमेश्वर के लोगों की स्तुति में विराजमान है।''

2 इति 5:13,14
भज 22:3

5 दूसरों को प्रभु यीशु के विषय में बताना

प्रेरि 2:41,47

प्रेरि 5:12-16

प्रेरि 4:32,33

प्रथम विश्वासियों की जीवन-शैली के द्वारा अद्भुत परिणाम प्राप्त हुए थे। बे परमेश्वर की स्तुति करने के लिए आनन्दपूर्वक घरों में जमा होते थे, और लोग प्रतिदिन उद्धार पाते थे ! वे प्रेम और एकता से रहते थे, और बड़ी सामर्थ्य से प्रचार करते थे। परमेश्वर ने आश्चर्यकर्म किए, और ''प्रभु पर विश्वास करने वाले पुरुषों और स्त्रियों की भीड़ की भीड़ उनमें निरन्तर मिलती जा रही थी।'' क्या आप देखते हैं कि परमेश्वर की और अन्य विश्वासियों की संगति में रहने का कितना अद्भुत नतीजा निकला? ऐसे वातावरण में, अपने पडोसी से यह कहना कितना आसान था : ''मेरे घर आइए और मेरे मित्रों से मिलिए।'' वह न केवल मित्रों से ही मिलेगा, परन्तु यीशु से भी मिल लेगा। यह आपकी भी जीवन-शैली हो सकती है! जब आप लोगों के साथ वह बाँटते हैं जो आप ने परमेश्वर से पाया है, तो आपको यह देख कर अति आनन्द प्राप्त होगा कि लोग मृत्यु से अनन्तजीवन में आ गए हैं। जितना अधिक आप दूसरों के साथ बाटेंगें, उतना ही अधिक आप प्रभु में मजबूत होते जाएँगे।

बधाइयाँ !

आप ने प्रारम्भिक कड़ी के ''जीवन का फाटक'' नामक अंतिम पाठ का अध्ययन पूरा कर लिया है और अपने बड़ी अच्छी तरह इसे पूरा किया है। जो कुछ आपने सीखा है वह आपके बाकी जीवन को प्रभावित करेगा ! कभी-कभी थोड़े दिनों बाद आप एक घंटा निकाल कर फिर से इस प्रारम्भिक कड़ी को दोहरा लिया करें।

बाइबल खोज

जिस प्रकार से हाथ में पाँच उँगलिया हैं, उसी प्रकार अब आप ने पाँच मुख्य क्षेत्रों के विषय में सीख लिया हैं। जिनमें आपको कार्य करना है और उन्हें अपने जीवन का एक भाग बनाना है। पहला, बपतिस्मा, जिसे आप केवल एक बार ही लेते हैं, परन्तु अन्य बातें प्रभु यीशु मसीह के एक अनुयायी के रूप में आपके प्रतिदिन के जीवन के लिए हैं।

अभ्यास 1 : बपतिस्मा

क) बपतिस्मा से सम्बन्धित बाइबल के इन परिच्छदों का अध्ययन करें तब इन प्रश्नों का उत्तर दें

- **मत्ती 22:18-20** बपतिस्मा देने की आज्ञा किसने दी?

_____

- **मरकुस 16:16, प्रेरितों 2:38, 18:8.** एक व्यक्ति का बपतिस्मा होने से पहले किस चीज की आवश्यकता होती है? _____

_____

- **प्रेरितों 8:36-38.** बपतिस्मा की कार्य-प्रणाली का वर्णन करें_____

_____

_____

- **प्रेरितों 16:14 15,30-34** परिवारों ने उद्धार के संदेश का प्रत्युत्तर किस प्रकार से दिया?

_____

_____

- **प्रेरितों 16:34.** किस भावना ने विश्वास उत्पन्न किया और बपतिस्मा के लिए प्रेरित किया? _____

ख) रोमियों 6:1-14 पदों को पढ़े और अपनी कापी में इसका सारांश लिखे।

अभ्यास 2 : एक विश्वासी के रूप में आपका प्रतिदिन का जीवन

2 कुरि 5:17 जब आप को उद्धार प्राप्त हो गया, तो आप एक नए व्यक्ति बन गए। ''पुरानी बातें बीत गई। देखो, नई बाते आ गई हैं।'' अब आप स्वयं परमेश्वर के साथ जीवित एकता में अपना जीवन बिताते हैं। प्रेरितों के काम 2 से 4 अध्याय को पढ़े और उन 8-10 बातों को लिखें जो कि आरम्भिक कलीसिया में विश्वासियों के जीवन का एक भाग थीं।

_____

_____

_____

_____

_____

याकूब 2:26

कार्य का समय

विश्वास कर्म बिना मृतक है। यहाँ पर आपकी सहायता के लिए एक सीधा-सादा 5 सूत्री कार्यक्रम दिया गया है ताकि आप इस पाठ की शिक्षाओं को अपने जीवन में लागू कर सकें।

1. ***संगति*** - एक कलीसिया या विश्वासियों की संगति का पता लगाएँ, जहाँ बाइबल की शिक्षा दी जाती है और लोग सम्पूर्ण हृदय से प्रभु यीशु को प्रेम करते हैं। सच्चाई से अन्य विश्वासियों के साथ मिल जाइए।

2. ***बपतिस्मा*** - यदि आप अपने पापों से फिर चुके हैं और यीशु मसीह को परमेश्वर का पुत्र करके मान लिया है, तो कोई भी बात आप को बपतिस्मा लेने से नहीं रोक सकती। कलीसिया के अगुओं - अपने साथी विश्वासी-से बात करें कि आप बपतिस्मा लेना चाहते हैं।

प्रेरि 8:36,37

कार्य का समय (जारी हैं)

3. ***बाइबल*** - अपना हर एक दिन बाइबल पढ़ने से आरम्भ करें और बाइबल पढ़ने से समाप्त करें। मत्ती से आरम्भ करें, तब प्रेरितों के काम पढें। तब आगे पढ़ते जाएं। पुराना नियम में उत्पत्ति और भजन संहिता से आरम्भ करें। जो कुछ परमेश्वर आपसे बोलता है उसे लिखते जाइए। प्रतिदिन उसकी बातें सुनने की प्रतीक्षा करें !

4. ***प्रार्थना और आराधना*** - ''निरन्तर प्रार्थना करो।'' सभी बातों के लिए प्रार्थना करें, अपने आप और अपने परिवार के सदस्यों के साथ। अपना दिन प्रार्थना से आरम्भ करें और प्रार्थना से समाप्त भी करें। जहाँ तक सम्भव हो अन्य विश्वासियों के साथ मिलकर प्रार्थना करें। परमेश्वर आपकी प्रार्थनाओं को सुनता है और वह आपको उत्तर भी देगा !

1 थिस्स 5:17

5. ***दूसरों को यीशु के विषय में बताना*** - परमेश्वर के प्रेम और उसकी सामर्थ्य के शुभ संदेश को दूसरों के साथ बांटिए। अपने परिवार और मित्रों से ही आरम्भ कीजिए। आज ही इसका आरम्भ कीजिए !

प्रभु यीशु में आपका अद्‌भुत नया जीवन आरम्भ हो चुका है। हाल्लेलुय्याह!

स्मरण समय

परमेश्वर के वचन को बोलें और याद करें

यहाँ याद करने के लिए बाइबल का एक पद दिया गया है। इसे कई बार जोर-जोर से पढ़ें ! इस पाठ में से बाइबल के दो अन्य पदों का चुनाव करें और उन्हें याद कर लें।

''यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है। पुरानी बातें बीत गई देखो, नई बातें आ गई हैं।'' 2 कुरि 5:17

बाइबल कुन्जियाँ हैं :

- ✘ **पाठों की एक कड़ी जिसमें परमेश्वर के वचन की मूल शिक्षा दी गई है।**
- ✘ **आत्म-शिक्षाप्रद परन्तु इस सामूहिक शिक्षा के लिए भी उपयोग किया जा सकता है।**

इसका आधार बाइबल अर्थात् परमेश्वर का अनन्त वचन है। यह सामर्थी पुस्तक इस जीवन और मृत्यु के बाद के जीवन के लिए सभी लोगों के निमित्त धार्मिकता और खुशी की कुन्जी है। यह पाठ ''जीवन का फाटक'' नामक प्रारम्भिक कड़ी का अन्तिम पाठ है।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया सम्पर्क करें :

बाइबल कुन्जियाँ पो.बा. **3178**, नई दिल्ली - 110 003
www: biblekeysonline.com

Copyright © 2000 Victura & InterMedia Services Ltd. All rights reserved. Printed in India 2002